वर्ष -2009 माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: हाई स्कूल परीक्षा

केन्द्र क्रमांक की सील

केन्द्र क्र.-681001

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में दो अंकों में 02

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 13 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

नाम Smt N. Billore पद Teacher

पता / संस्था Model H.S.S. Harda

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 3 0 0 परीक्षा का विषय प्रा० वि०

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 9-03-09

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें — कोड T-1035 सेट A

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी ... में)

1	9	6	8	1	5	1	6	6

5. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम ... जाए

प्रश्न	पृष्ठ
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
कुल प्राप्त	

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैने सभी प्रश्नों के उत्तरों का गहन मूल्यांकन किया है। उत्तर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक) हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक) हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 02400 352 दिनांक.................. दिनांक..................

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोडें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्रापट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्रापट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्रापट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्रापट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

योग पूर्व पृष्ठ

प्रश्न क्रमांक -1

	अ	ब
(अ)	पेरियार	केरल
(ब)	दचिगाम	जम्मू एवं कश्मीर
(स)	कार्बेट	उत्तराखण्ड
(द)	वस्त्र उद्योग	अहमदाबाद
(इ)	डी.डी.1 एवं डी.डी.2	दिल्ली

R E M P

प्रश्न क्रमांक -2

(अ) हरित क्रान्ति का संबंध फसलों में उत्पादन वृद्धि से है

(ब) भारत में सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित राज्य पश्चिम बंगाल है।

(स) नाना साहब का निवास बिठुर में था।

1942 में क्रिप्स मिशन भारत आया।

(इ) जय हिन्द का नारा सुभाष चन्द्र बोस ने दिया था।

पूर्व पृष्ठ

प्रश्न क्रमांक- 3

(अ) सर्वोच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों का संरक्षक है सत्य

(ब) 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना की गई थी।
सत्य

(स) भारत 15 अगस्त 1947 को आजाद नहीं हुआ था
असत्य

(द) 1938 में सुभाषचन्द्र बोस कॉंग्रेस के अध्यक्ष बने।
असत्य

(इ) प्रधानमन्त्री की सलाह पर राष्ट्रपति लोकसभा को कभी भी भंग कर सकता है असत्य

प्रश्न क्रमांक-4

(अ) राज्य सभा के सदस्य सं० है-
250

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए न्यूनतम आयु सीमा है-
35 वर्ष

(स) सेवा क्षेत्र रोजगार प्रदान करता है-
प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों रूपों में

द कृषि क्षेत्र सम्मिलित है-
प्राथमिक क्षेत्र

प्राचीन काल में भारत को कहा जाता था-
सोने की चिड़िया

E
S
E
M
P

प्रश्न क्रमांक-5

उत्तर(अ) 2001 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसं०
102.7 करोड़ है।

उत्तर(ब) जनसंख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में दूसरा
स्थान है

(स) डाक्टर, शिक्षक एवं वकील की सेवाएँ तृतीयक या सेवा
क्षेत्र में आती हैं।

[ ] द आर्थिक सुधार 1991 में प्रारम्भ हुआ।

(इ) भारतीय रेल सेवा सन् 1853 में आरम्भ हुई।

प्रश्न क्रमांक-21

कश्मीर समस्या

प्रस्तावना

जो भरा नहीं है, भावों से
बहती जिसमें रसधार नहीं।
वह हृदय नहीं है पत्थर है,
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।

मैथिलीशरण गुप्त की यह पंक्तियाँ हमारे अन्दर हमारे देश की एकता, अखण्डता का भाव जगाती है एवं कश्मीर हमारे देश की अखण्डता का आधार है। कश्मीर भारत की उत्तर-पश्चिम सीमा पर स्थित एक स्वार्गिक प्रदेश है। कश्मीर समस्या भारत और पाकिस्तान के मध्य सबसे अधिक उलझी हुई समस्या है। भारत के विभाजन के पश्चात पाकिस्तान लगातार कश्मीर को अपने देश में मिलाने के लिए हमारे देश में समस्याएँ पैदा करता रहा है।

रियासतों के विलीनीकरण के समय कश्मीर के शासक राजा हरिसिंह ने कश्मीर प्रान्त को किसी भी देश में विलय होने से इन्कार कर दिया था। कारण था, वहाँ कि हिन्दू-मुस्लिम जनता। परन्तु पाकिस्तान ने जब सन् 1947 में कश्मीर पर आक्रमण किए तब

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

राजा हरिसिंह ने कश्मीर की सुरक्षा के लिए सैनिक सहायता माँगी तथा भारत में विलय होने का प्रस्ताव रखा।

कश्मीर पर कबाइलियों के आक्रमण- सन् 1947 में कश्मीर पर कबाइलियों के आक्रमण हुए, जिससे वहाँ की जनता का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। आक्रमणकारी श्रीनगर पर हमलाकर श्रीनगर से 25 मील दूर बारामूला आ पहुँचे थे। उन्होंने कश्मीर में अस्थिरता उत्पन्न करने के प्रयास किए। कश्मीर के शासक की शिकायत पर भारत के प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने पाकिस्तान से कबाइलियों का मार्ग बन्द करने को कहा। परन्तु, जब इस बात के प्रमाण मिलने लगे कि पाकिस्तान ही आतंकियों को शरण दे रहा है। तब भारत सरकार ने पाकिस्तान की शिकायत राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में की।

संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रयास-
कश्मीर समस्या को हल करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी अपनी ओर से प्रयास किए उन्होंने पाँच राष्ट्रों का संगठन बनाया तथा उन्हें भारत-पाकिस्तान सीमा पर निरीक्षण करने के लिए भेजा एवं रिपोर्ट तैयार करने की बात कही। इन राष्ट्रों ने अपनी रिपोर्ट में

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

लिखा कि -

(1) पाकिस्तान अपनी सीमाओं पर से सैनिकों को हटाये।
(2) जब पाकिस्तान सारी शर्तों का पालन करेगा, तब भारत भी सीमाओं पर से सैनिकों को हटा लेगा।

(3) दोनों देश युद्ध विराम की स्थिति का पालन करें।

इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रयास से युद्ध विराम तो हुआ, परन्तु पाकिस्तान अभी भी कश्मीर को अपने में विलय करना चाहता था।

जनमत संग्रह के प्रयास -
भारत सरकार ने कश्मीर का विलय जनमत संग्रह के आधार पर करने की बात कही थी। इस आधार संयुक्त राष्ट्र संघ ने जनमत संग्रह कराने के लिए एक अमेरिकी प्रतिनिधि अधिकारी नियुक्त किया। 1 जनवरी 1949 को लम्बी वार्ता के बाद भी कोई निर्णय नहीं हो सका तो उस अमेरिकी अधिकारी ने जनमत संग्रह न करा पाने के कारण इस्तीफा दे दिया। इस प्रकार पाकिस्तान की कूटनीति चालों की वजह से कश्मीर भारत का

BSEMP

/
पृष्ठ के अंको का योग

BSEMP

हिस्सा नहीं बन पाया।

पाकिस्तान की अमेरिका से सन्धि- पाकिस्तान ने अपनी शक्तियों को बढ़ाने के लिए अमेरिका से सन् 1954 से सन्धि की थी तथा 1955 में वह 'सेण्टो' नामक संगठन का सदस्य बन गया था। अमेरिका से दोस्ती के बाद उसने कश्मीर को अपने में मिलाने के भरसक प्रयास किए, परन्तु संयुक्त राष्ट्र संघ व सोवियत संघ की संयुक्त शक्ति से वह पराजित हुआ। और भारत अन्ततः कश्मीर को अपने में विलय करने में सफल हुआ।

कश्मीर का भारत में विलय- कश्मीर 26 जनवरी 1957 को एक अभिन्न अंग बन गया। काफी संघर्षों के बाद कश्मीर रियासत का विलय भारत में हो सका। आज भी कश्मीर पाकिस्तानी हमले होते रहते है और कश्मीर में अशान्ति उपस्थित करने के प्रयास किए जाते हैं परन्तु भारत की शक्ति इतनी कमजोर नहीं कि, वह पाकिस्तान जैसे निकृष्ट देश के सामने घुटने टेक दे। किसी ने कहा -

दूध मांगो तो हम खीर देंगे!
कश्मीर माँगोगे तो चीर देंगे।

अस्तु

का योग

प्रश्न क्रमांक - 20

वन हमारी सभ्यता के प्रतीक हैं भविष्य में इन वनों की हमें नितान्त आवश्यकता है क्योंकि

वृक्ष धरा के भूषण हैं,
करते दूर प्रदूषण हैं

इसलिए हमारी पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त रहने के लिए इन वृक्षों की आवश्यकता तो है
डॉ. पी. एच. चटरवक के शब्दों में "वृक्ष हमारी सभ्यता के प्रतीक हैं इनसे हमें कठोर लकड़ी सहायक उपजें प्राप्त होती है"।
इस प्रकार आइए वनों के प्रत्यक्ष लाभों को जाने-

प्रत्यक्ष लाभ

लकड़ी की प्राप्ति- वनों से हमें लकड़ियाँ प्राप्त होती है जो हमारे घरों में ईंधन के रूप मे इस्तेमाल की जाती है कठोर लकड़ियों से तरह-तरह के फर्नीचर बनाए जाते हैं इस प्रकार लकड़ी प्राप्त करने के एकमात्र साधन वन है

सहायक उपजों की प्राप्ति- वृक्षों से हमें सहायक उपजों के रूप मे गोंद, छाले, रंग जड़ें आदि प्राप्त होते हैं और इन

BSEMP

[/]
पृष्ठ के कुल अंक

सहायक उपजों का हम हमारे दैनिक जीवन मे करते है

वनों पर आधारित कृषि उद्योग: वनों से अनेक तरह के वस्त्र उद्योग चलाए जा रहे है जैसे सूतीवस्त्र उद्योग, चीनी उद्योग, तेल उद्योग आदि। यह सब उद्योग हमारी दैनिक जीवन की वस्तुओं को उपलब्ध कराते है। अतः उद्योगों को चलाने मे वनों का महत्वपूर्ण योगदान है

चारागाह स्थलों की प्राप्ति = वन हमें पशुओं के लिए चारागाह उपलब्ध कराते है इन वनों में अच्छी किस्म की वनस्पतियाँ पाई जाती है। जिन्हें खाकर पशु-पक्षी सभी आनन्द का अनुभव तो करते ही है, साथ ही स्वस्थ शरीर का निर्माण भी करते है

विदेशी मुद्रा की प्राप्ति = वन हमे विदेशी मुद्रा भी उपलब्ध कराते है वनों से बनने वाला सामान दूसरे देशों में अच्छा दामों में बिकता है तब देश को विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है

औषधियों की प्राप्ति = वन औषधी सम्पदा के गढ़ है और इन गढ़ों से विभिन्न बीमारियों को ठीक करने की औषधियाँ प्राप्त करते है

इन लाभों के अतिरिक्त भी हमें वनों से कई लाभ होते है वन हमारे

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

लिए ईश्वर का दिया वरदान है।

अप्रत्यक्ष लाभ

प्राकृतिक सौन्दर्य में वृद्धि= जिस देश में वन सम्पदा होती है वह देश आर्थिक रूप से तो समृद्ध होता ही है। साथ ही साथ प्राकृतिक छटा भी वहाँ की निराली होती है। वन प्राकृतिक सौन्दर्य को बढ़ाते हैं। जिससे पर्यटक इस सुन्दरता की तरफ आकर्षित होकर इनकी ओर खींचे चले आते हैं

रेगिस्तान के प्रसार को रोकने में सहायक= सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा है कि "यदि भूमि को रेगिस्तान बनने से रोकना है तो वृक्षारोपण जरूरी है" अतः वन रेगिस्तान के प्रसार को रोकते हैं

आक्सीजन की मात्रा बढ़ाने में सहायक= आक्सीजन प्राणवायु है और इस प्राणवायु को हम वनों से ही प्राप्त करते हैं इस प्रकार वन आक्सीजन की मात्रा बढ़ाते हैं।

बाढ़ को रोकने में सहायक= वन बाढ़ जैसी आपदाएँ रोकने में सहायक हैं वनों के कारण बाढ़ का पानी रिहायशी क्षेत्रों में

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

नहीं आ पाते हैं। इस प्रकार वन बाढ़ के प्रभाव को कम करते हैं।

वर्षा में सहायक = वन वर्षा में सहायक होते हैं वह बादलों को अपनी ओर आकर्षित करके वर्षा करते हैं। वर्षा की अनिश्चितता को भी वन ही रोकते हैं।

इस प्रकार वन जलवायु को सम बनाए रखते हैं, नदियों को अनुशासन में रखते हैं तथा पर्वतों को थामे रखते हैं। इस प्रकार हमें कई प्रकार के लाभ पहुँचाते हैं।

X

प्रश्न क्रमांक - 13

पूँजीवादी प्रणाली में अर्थव्यवस्था का संचालन निजी व्यक्तियों के हाथों में होता है इसका संचालन 'मूल्य-तंत्र' के द्वारा होता है। इस प्रणाली ने आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है परंतु इसके भी कुछ दोष हैं

पूँजीवादी प्रणाली के दोष

शोषण = पूँजीवादी प्रणाली का सबसे प्रमुख दोष है श्रमिकों का शोषण। पूँजीपति वर्ग लाभ की भावना के चलते श्रमिकों को शोषित करते हैं

बेरोजगारी में वृद्धि = पूँजीवादी प्रणाली में सभी के लिए समान अवसर न होने के कारण बेरोजगारी में वृद्धि होती है।

आर्थिक असमानता = पूँजीवाद प्रणाली में आर्थिक रूप से भी बहुत सी असमानताएँ हैं। इस दोष के कारण अमीर और अधिक अमीर एवं गरीब और अधिक गरीब हो रहा है।

क्षेत्रीय असन्तुलन = उद्योगों के कुछ स्थानों पर केन्द्रित हो जाने से क्षेत्रीय असन्तुलन बढ़ता है कुछ क्षेत्र अधिक समृद्ध हो जाते हैं तो कुछ क्षेत्रों में विकास ही नहीं हो पाता है। इस प्रकार अविकसित क्षेत्रों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण जीवन व्यतीत करते हैं

भेदभाव में वृद्धि = ऊँच नीच, अमीरी गरीबी की भावना इस प्रकार की प्रणाली में ज्यादा आती है क्योंकि पूंजीपति तो श्रमिकों का शोषण करके माला-माल हो गया परन्तु वह व्यक्ति तो अपनी दीनता पर ही रो रहा है और उसकी इसी दीनता के कारण उसके मन में भेद-भाव हीन-भावना पैदा होती है

प्रश्न क्रमांक-18

उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों के प्रति हमेशा सजग रहना चाहिए। अज्ञानता के कारण उपभोक्ताओं को अपने अधिकार नहीं ज्ञात होते हैं। उपभोक्ताओं के नि० लि० अधिकार होते हैं

सुरक्षा का अधिकार :- उपभोक्ता को सुरक्षा का अधिकार प्राप्त है वह जब भी कोई वस्तु खरीदें तो उसे उसके लाभ-हानि समझकर ही खरीदना चाहिए। यदि उसे पता न हो तो वह विक्रेता से उस वस्तु के संबंध में सावधानियाँ क्या बरतनी चाहिए इसकी जानकारी प्राप्त कर सकता है। उदा० के लिए → प्रेशर कुकर में एक सेफ्टी वाल्व होता है। जो यदि उच्च गुणवत्ता का न हो तो बहुत बड़ी दुर्घटना भी हो सकती है। अतः ग्राहक को इस चीज की जाँच परख करनी चाहिए। तथा विक्रेता को भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए। इस प्रकार हम सुरक्षा के अधिकार का उपयोग कर अपने प्राण बचा सकते हैं

सूचना का अधिकार :- यह अधिकार वर्ष 2005 में सभी जगहों पर लागू हुआ है। इस

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

अधिकार के अन्तर्गत व्यक्ति को वस्तु से संबंधित जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है यदि वह वस्तु के बारे में कोई आवश्यक जानकारी प्राप्त करना चाहता हो और विक्रेता उसकी अनदेखी कर रहा है तो ग्राहक को अधिकार है कि वह उसकी शिकायत करे।

चयन का अधिकार- व्यक्ति को अपने मन मुताबिक वस्तु को चयन करने का अधिकार है। कोई भी उस पर दबाव डालकर उसके इस अधिकार को उससे छिन नहीं सकते हैं। उदाहरण "यदि आप गैस सिलेण्डर खरीदना चाहते हैं और विक्रेता आप को चूल्हा भी खरीदने के लिए दबाव डाल रहा है, परन्तु आप को उसकी आवश्यकता नहीं है तो आप चयन का अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं

क्षतिपूर्ति का अधिकार- यदि ग्राहक को किसी वस्तु या सेवा से किसी भी प्रकार की हानि हुई है तो वह उस की शिकायत कर सकता है और अपने क्षतिपूर्ति के अधिकार का उपयोग कर क्षतिपूर्ति पा सकता है

BSEMP

प्रश्न क्रमांक-17

भारत में नशे पर प्रतिबन्ध बहुत ही आवश्यक है महात्मा गाँधी ने भी इस दोष से लोगों को मुक्त करने के लिए 'मद्य निषेध' अभियान चलाया था। भारत को नशा मुक्ति की दिशा में प्रयास करना चाहिए। नशे पर प्रतिबन्ध निं.लि. कारणों से होना चाहिए।

नशे पर प्रतिबन्ध

स्वस्थ शरीर के निर्माण- नशे के कारण व्यक्ति का शरीर रोगग्रस्त होता चला जाता है और वह किसी भी कार्य को ठीक से नहीं कर पाता है। अतः व्यक्ति अपने आप को स्वस्थ रखे और इस राष्ट्र के उपयोगी बन सके इसलिए नशे पर प्रतिबन्ध आवश्यक है

मानसिक विकारों को कम करने के लिए-
नशे की हालत व्यक्ति अपने आप पर से खुद का सन्तुलन खो देता है। और विभिन्न प्रकार के क्रियाकलापों मे लिप्त होकर मानसिक रोगी बन जाता है। मानसिक रोगों को रोकने के लिए नशे पर प्रतिबन्ध आवश्यक है।

सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए-

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

वह व्यक्ति जिस परिवार का होता है उसके परिवार को उस व्यक्ति के कारण हर जगह नीचा देखना पड़ता है। उस परिवार की समाज में प्रतिष्ठा खराब होती है। परिवारों की सामाजिक प्रतिष्ठा बनी रहे इस कारण से नशे पर प्रतिबन्ध आवश्यक है

दुर्घटनाओं को रोकने लिए- नशे की हालत में व्यक्ति कई तरह की दुर्घटनाओं का शिकार होता है और दूसरों को भी करता है। चोरी, डकैती कार दुर्घटना जैसी वारदाते बढ़ जाती है जिसके कारण समाज में अशान्ति फैलती है इन दुर्घटनाओं को रोककर समाज का वातावरण स्वस्थ बनाने के लिए आवश्यक है

स्वस्थ समाज के निर्माण में- नशे पर प्रतिबन्ध लगेगा तो स्वस्थ समाज का निर्माण होगा। उस समाज के निर्माण के लिए नशे पर प्रतिबन्ध आवश्यक है

BSEMP

प्रश्नक्रमांक - 16

संघात्मक शासन: भारतीय संविधान ने संघात्मक व्यवस्था को अपनाया है। जिसके अंतर्गत केन्द्र और राज्य के अंतर्गत शक्तियों का विभाजन होता है

इकहरी नागरिकता: भारतीय संविधान में इकहरी नागरिकता को अपनाया गया है। कोई भी व्यक्ति चाहे किसी भी प्रदेश का हो परन्तु वह भारत का नागरिक है और इसे मतदान का अधिकार है

मौलिक अधिकार व मौलिक कर्त्तव्य: भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार व मौलिक कर्त्तव्य भी प्रदान किए गए हैं ताकि शासन सुचारु रूप से चल सके।

न्यायपालिका की सर्वोच्चता: न्यायपालिका को सर्वोच्चता प्रदान की गई है हमारे देश में मौलिक अधिकारों का संरक्षण सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा ही किया जाता है। तथा संविधान की रक्षक भी सर्वोच्च न्यायालय होती है

निष्पक्ष न्यायपालिका: हमारे देश में न्यायपालिका निष्पक्ष रूप से फैसले करती है न्यायपालिका पर किसी का भी कोई दबाव नहीं होता है। इसी

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

कारण से वह सही निर्णय करने में सफल हो पाती है।

X

प्रश्न क्रमांक-15

लाहौर अधिवेशन में सन 1929 में पं॰ जवाहर लाल नेहरू ने रावी नदी के तट पर पूर्ण स्वाधीनता का प्रस्ताव पास किया तथा 26 जनवरी 1930 को पूर्ण स्वाधीनता दिवस उत्साह पूर्वक सारे देश में मनाया गया। सारे देश में जहाँ एक और स्वाधीनता दिवस मनाया जा रहा था। वही दूसरी ओर गांधीजी अंग्रेजों के सविनय अवज्ञा आन्दोलन शुरू करना चाह रहे थे। सविनय अवज्ञा का अर्थ होता है विनम्रतापूर्वक आज्ञाओं को न मानना।

गाँधीजी अपनी कुछ माँगों के समर्थन मे थे। वे चाहते थे कि हमारी माँगों की पूर्ति की जाए। इसी कारण से वे लार्ड इरविन से मिले और उनके समक्ष अपनी माँगे रखी। उनकी माँगों मे उन्होंने कहा था " नमक कर हटाया जाए, बन्दूकों पर लाइसेंस लगाया जाए और इसी प्रकार की 11 माँगों का प्रस्ताव लेकर गाँधीजी इरविन के सामने प्रस्तुत हुए

उन्हें विश्वास था कि लॉर्ड इरविन उनकी माँगों को मान लेंगे। परन्तु ऐसा कुछ भी नहीं हुआ इरविन ने गाँधीजी के प्रस्ताव मानने से इन्कार कर दिया। इरविन के इन्कार करने के कारण गाँधीजी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन शुरू किया सविनय अवज्ञा आन्दोलन के शुरू होने का प्रमुख कारण गाँधीजी की माँगे न मानना था। गाँधीजी ने कहा था यदि आप इन माँगों को अस्वीकार कर देंगे तो हम सविनय अवज्ञा आन्दोलन शुरू करना पड़ेगा।

अपनी माँगों को विनम्रतापूर्वक पूरा करने के लिए गाँधीजी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारम्भ किया

X

प्रश्न क्रमांक-14

उग्र राष्ट्रवाद अंग्रेजी सरकार का एक विरोधी दल था यह कांग्रेस से पृथक होकर एक दल बना था उग्र राष्ट्रवाद के बनने के कारण निं लिं थे

संवैधानिक आन्दोलनों की विफलता - संवैधानिक आन्दोलन की विफलता से आहत हुए उग्रराष्ट्रवाद विचारधारा के व्यक्ति अब ऊब चुके थे वे अपनी विनयवृत्ति कर-कर के थक चुके थे।

इसलिए उग्र विचारधारा वाले नेताओं ने उग्र राष्ट्रवाद दल बनाने का फैसला किया।

ब्रिटिशों की प्रतिक्रियावादी नीति - ब्रिटिश नेताओं के स्मृति पत्रों, आवेदन पत्रों पर कोई भी प्रतिक्रिया तक नहीं कर रहे थे। केवल आश्वासन देकर नेताओं को ठगते रहे। उनके वादों में शाब्दिक आडम्बर अधिक था। इसी कारण उग्र राष्ट्रवाद का उदय हुआ।

प्राकृतिक प्रकोपों की उपेक्षा = अंग्रेजों ने देश में पड़ने वाले प्राकृतिक प्रकोपों की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। जब प्लेग, दुर्भिक्ष जैसी समस्याएँ सामने आ रही थी तब अंग्रेज महारानी विक्टोरिया के भव्य स्वागत की तैयारी में लगे हुए थे। उनकी इस उपेक्षा से उग्र राष्ट्रवाद का उदय हुआ।

सामाजिक व आर्थिक नीति को नुकसान पहुँचाने से अंग्रेज भारतीयों के साथ वादाखिलाफी करते थे उनकी हर बात को वे टालते रहे। देश को एक प्रमुख निर्यातक राष्ट्र से गिराकर प्रमुख आयातक देश बना दिया गया था। धार्मिक एवं सामाजिक रूपों में काफी अवहेलना की जा चुकी थी। इसी कारण उग्र राष्ट्रवादी

BSEMP

[/]
पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

विचार धारा के लोगों ने अपना अलग दल बनाकर अंग्रेजों का विरोध करना चाहा।

शिक्षा प्रणाली को क्षति पहुँचाने के कारण-
भारतीयों की प्राचीन शिक्षा प्रणाली को बदलकर लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति लागू की गई जिससे केवल लोग बाबू बनकर बाहर निकल रहे थे। उनमें व्यवहारिक ज्ञान का बहुत अधिक मात्रा में अभाव पाया। शिक्षा के गिरते स्तर को देखकर व मांगों न मानी जाने के उग्र राष्ट्रवादी विचारकों ने अपना अलग दल बनाया।

इस प्रकार उदारवादियों की प्रति असंतोष, अंग्रेजों के अमानवीय व्यवहार के कारण उग्र राष्ट्रवाद का उदय हुआ। इसके प्रमुख नेता बाल गंगाधर तिलक, विपिन चन्द्र पाल, लाला लाजपतराय थे। इन्होंने स्वायत्ता स्थापित करने के पूर्ण प्रयास किए।

प्रश्न क्रमांक - 13

हिम -

पृष्ठ के अंकों का योग

वर्षा = 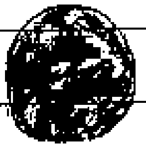

ओला = 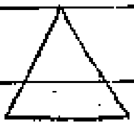

कुहासा = 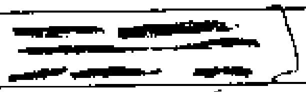

कुहरा = 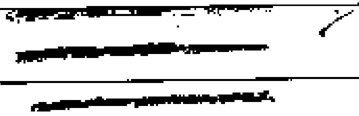

उत्तर क्रमांक -12

विजन इण्डिया 2020 = यह भारतीयों के आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज था। इसे 23 जनवरी सन 2003 में प्रकाशित किया गया था। इस दस्तावेज में भारतीयों के आर्थिक विकास को किस प्रकार बढ़ाना, उन्हें किस प्रकार की सुविधाएँ प्राप्त होनी चाहिए इस संबंध में यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज था। इस दस्तावेज के अनुसार बताया गया था आने वाले समय में जब भारत 135 करोड़ हो जाएगी तब भारत की स्थिति काफी उत्तम होगी। 135 करोड़ जनसं. अर्द्ध रहन-सहन, खान-पान व्यवहार में रहने लायक बन जाएगी

25

पूरक उ.पु. 4

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षक के लिये

[redacted]

1. केन्द्र की सील
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक
6. परीक्षा का नाम हाईस्कूल प्रमाण-पत्र परी
7. विषय सा० वि० 8. माध्यम हिन्दी
8. दिनांक 7-03-09

पृष्ठ

शिक्षा एवं संचार का भरपूर विकास होगा। भारत 2020 तक दुनिया की महाशक्ति के रूप में उभरेगा। इस प्रकार इस दस्तावेज को बताया गया था ताकि दुनिया भारत की आगामी योजनाओं से अवगत हो सके।

प्रश्न क्रमांक-11

प्रधानमंत्री देश का मुखिया होता है। प्रधानमंत्री के कार्य नि० लि० है

लोकसभा का नेता:- प्रधानमंत्री लोकसभा का प्रमुख नेता होता है वह सारे देश को चलाता है इस प्रकार वह लोकसभा का प्रमुख सदस्य है लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री पद के लिए ही होते हैं।

मंत्रिपरिषद का गठन:- प्रधानमंत्री अपनी सरकार

I
(
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

(26)

(2) =]

पृष्ठ ... कुल अंक

बनाने केलिए मंत्रियों का गठन करता है

कानून निर्माण: मंत्रिपरिषद का मुखिया प्रधानमंत्री होता है प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मंत्रीपरिषद के सदस्य विधेयक संसद में ले जाते हैं कानून बनाने की प्रक्रिया में भाग लेता है

मंत्रियों के विभागों का बंटवारा: प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद गठन करता है तो उनके कार्यों विभागों का बंटवारा भी वही करता है वह चाहे तो मंत्रियों को उनके पदों से हटा भी सकता है।

प्रश्न क्रमांक -10

प्राचीन काल में भारत और चीन दोनों देशों के मध्य मधुरतापूर्ण सम्बन्ध था भारत की पराधीनता के दिनों में भारत में चीन के प्रति भारत में काफी सहानुभूति थी। जब जापान द्वारा चीन के भाग मंचूरिया पर आक्रमण किया गया। तब भी भारत अपनी सहानुभूति चीन के साथ रखता था परन्तु आने वाले कुछ सालों में सीमा विवाद ने भारत और चीन के रिश्तों में खटास पैदा कर दी चीन ने अपनी शक्ति को बढ़ाने केलिए, राजनीतिक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(LT)

③ + =

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 3 के अंक

सर्वोच्चता हासिल करने के लिए भारत के साथ 1962 का युद्ध लड़ा। भारत और चीन युद्ध के बहुत ही दूरगामी परिणाम सामने आए।

(1) भारत और चीन संबंध द्वेषपूर्ण हो गए उनके रिश्तों में एक खटास आ गई।

(2) चीन ने भारत की आदर्शवाद की नीति को बदल दिया। आदर्शवाद के स्थान पर यथार्थवाद का समन्वय हो गया।

(3) भारत की विदेश नीति को इससे बहुत आघात पहुँचा क्योंकि जो भारत चीन का इतना साथ देता था उसी ने उसके साथ धोखा किया

4) भारत का बहुत बड़ा हिस्सा चीन में चला गया।

प्रश्न क्रमांक - 9

सन 1857 की क्रान्ति भारत की अंग्रेजों के खिलाफ पहली क्रान्ति सशस्त्र क्रान्ति थी। इस क्रान्ति के उत्पन्न होने के कारण तो बहुत थे परन्तु सबसे बड़ा कारण राजनीतिक था। इस क्रान्ति राजनीतिक परिवारों ने भी हिस्सा लिया तथा अंग्रेजों को भारत से निकालने का पूरा प्रयास

BSEMP

4 + =

योग पूर्व पृष्ठ — पृष्ठ 4 के अंक

किया।

राजनीतिक कारण

(1) अंग्रेजों की राज्य विस्तार की नीति के कारण बहुत से शासकों के राज्य छिन लिए गए।

(2) हड़प नीति अपनी चरमसीमा पर थी। इससे जबरदस्ती राज्यों को अपने में विलय करना चाहा।

(3) सहायक संधि व्यवस्था अपनाने वाले राजाओं की हालत बहुत बुरी थी। वे अपने ही राज्य में कैद बनकर रह गए थे। उन्हें काम अंग्रेजों के इशारे पर करना पड़ता था।

(4) सहायक संधि व्यवस्था व हड़प नीति के कारण अंग्रेजों ने शासकों के धन का उपयोग अपने व्यापार को समृद्ध बनाने में किया।

(5) पेशवा के दत्तक पुत्र की पेंशन बंद कर दी गई थी जिससे उनकी आर्थिक स्थिति गिर गयी। दत्तक पुत्रों के साथ किए गए इस व्यवहार के कारण राज्यों में बहुत अशांति फैल गयी।

(6) जिन राज्यों को अंग्रेजों ने अपने अधीन किया था उन राज्यों के कृषक, जमींदारों से भी उनकी जमीन छिन ली गई थी। जिसके कारण सभी

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

पूरक उ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोप

1. केन्द्र की सील केन्द्र क्र. 681001
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक
6. परीक्षा का नाम हाइस्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा
7. विषय सा० वि० 8. माध्यम हिन्दी
8. दिनांक

परीक्षक स्टीकर तीर के निशान ....

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक 964338

1. परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

1	9	6	8	1	5	1	6	6

2. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

एक	नौ	छः	आ.	एक	पांच	एक	छः	छः

पृष्ठ

और राजनीतिक अव्यवस्था छा गई थी।

(7) राज्यों के आश्रय में काम करने वाले कुशल शिल्पकार दस्तकारों से उनका काम-धन्धा छिन गया वे बेरोजगार हो गए थी इस प्रकार चोरों और जनीतिक अव्यवस्था छाई हुई थी

प्रश्न क्रमांक - 8

सुनामी

समुद्र जल कभी भी शांत नहीं रहता है उसमें कुछ न कुछ हलचलें पैदा होती रहती है सुनामी भी उसी हलचल का परिणाम है। सुनामी एक बहुत ही भयंकर आपदा है इसके आने के साथ ही सारा राज-तंत्र बिगड़ जाता है अतः सुनामी आपदा के प्रमुख कारण निम्नलि- है

B M P

पृष्ठ के अंकों का योग

② (30)

भूकम्प = सुनामी आपदा आने का प्रमुख भूकम्प भी है। क्योंकि जहाँ भूकम्प आते है वहाँ प्लेटें खिसकती है जिससे धरती में कम्पन होता है धरती में कम्पन होने से समुद्र का जल ऊपर नीचे होता है जिसके कारण सुनामी आती है

प्लेटविवर्तनिकी = सुनामी हमेशा महासागरों में आती है महासागर धरती पर है धरती का निर्माण प्लेटों से हुआ। जहाँ प्लेटों का मिलन होता है वहाँ नई सतह का निर्माण होता है तथा प्लेटें खिसकती है। वहाँ सुनामी आती है। महासागरों में प्लेटें धंस जाती है तब सुनामी आती है

ज्वालामुखी उद्गार = ज्वालामुखी जब आता है तब सारी धरती का वह हिस्सा अधिक प्रभावित होता है जहाँ वह आता है अधिकतर ज्वालामुखी समुद्री सीमा के निकट है। जिसके कारण सुनामी आने की सम्भावना बढ़ जाती है

इस प्रकार सुनामी अपने साथ कई प्रकार की समस्याएँ लेकर आती है। वह जान-माल को नुकसान पहुँचाकर देश का तंत्र बिगाड़ देती है सुनामी 2004 की ने तो भारत में ही 30000 लोगों की जान ले ली थी।

(3) + =

पृष्ठ 3 के अंक

प्रश्न क्रमांक - 7

व्यापार सभ्यता का प्रतीक है। कोई भी देश आत्म निर्भर नहीं है। सभी किसी न किसी रूप में एक दूसरे पर निर्भर है। इस प्रकार की निर्भरता के चलते व्यापार एक देश से दूसरे देश में होने लगता है। इस प्रकार एक देश का दूसरे देश से व्यापार होता है को अंतर्राष्ट्रीय या विदेशी व्यापार कहते हैं। हमारे देश में विदेशी व्यापार की स्थिति भी अच्छी है। भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की चार विशेषताऐं नि० लि० है

स्थिति :- भारत एक व्यापारिक देश है। यह सभी देशों के मार्गों को जोड़ता है। उसकी इसी स्थिति के कारण भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बढ़ा है।

सांस्कृतिक भिन्नता :- हमारे देश में सांस्कृतिक भिन्नता पाई जाती है। यहाँ विभिन्न प्रकार के धर्म सम्प्रदाय को मानने वाले लोगों के मानने के कारण यहाँ व्यापार में भी विभिन्नता पाई जाती है जिसके कारण यहाँ पर्याप्त व्यापार भी खूब बढ़ा है।

समुद्र तट कटा-फटा :- भारत का समुद्र तट काफी कटा-फटा है यहाँ पर सभी देशों को व्यापारिक मार्ग होना सम्भव है अतः कटी-फट

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

समुद्र भी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की विशेषता है

प्राकृतिक संसाधनों की विभिन्नता: हमारे देश में निर्यात के लिए संसाधनों की काफी विभिन्नता उपलब्ध है अतः इस प्रकार प्राकृतिक संसाधनों की विभिन्नता भी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की विशेषता है

प्रश्न क्रमांक - 6

विनिर्माण उद्योग: विनिर्माण उद्योग द्वितीयक क्षेत्र को कहते इस क्षेत्र में प्राथमिक क्षेत्र से प्राप्त वस्तुओं का विनिर्माण प्रणाली के माध्यम से उपयोग किया जाता है द्वितीयक क्षेत्र में उद्योगों से संबंधित कार्य किए जाते हैं जिसके कारण यह औद्योगिक क्षेत्र भी कहलाता है।

जैसे → कपास से वस्त्र का निर्माण होना

गन्ने से शक्कर का निर्माण होना।

यह सभी वस्तुएं प्राथमिक क्षेत्र से प्राप्त होती हैं जिसके बाद द्वितीयक क्षेत्र में विनिर्माण प्रणाली के अन्तर्गत दूसरे रूप में परिवर्तित हो जाती हैं

औद्योगिक क्षेत्र से ही हमें दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है

BSEMP